

पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड- XXXI अंक-10

31 मई, 2026



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

हिंदी कक्ष

<https://hindi.iitd.ac.in/>



“ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वह हम ही हैं जो अपनी आँखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधेरा है।”

— स्वामी विवेकानंद

मुख्य बिंदु

- स्वागत
- नियुक्तियाँ
- बी.एल.एस. (बेसिक लाइफ स्पोर्ट) एवं संक्रमण रोकथाम प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन
- सेवानिवृत्ति
- पुनर्नियुक्ति
- त्यागपत्र स्वीकृत

स्वागत

- स्थापना अनुभाग- I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2026/23710 दिनांक 21.05.2026 के अनुसार प्रो. प्रियव्रत साहा ने दिनांक 06.05.2026 को संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रो. प्रियव्रत साहा को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 (जो भी पहले हो) प्राप्त करने तक संस्थान द्वारा प्रायोजित “युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप” भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग- I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2026/518082 दिनांक 21.05.2026 के अनुसार प्रो. तरुण खन्ना ने दिनांक 15.05.2026 को संस्थान के सार्वजनिक नीति स्कूल में सातवें वेतन आयोग के लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रो. तरुण खन्ना को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 (जो भी पहले हो) प्राप्त करने तक संस्थान द्वारा प्रायोजित “युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप” भी प्रदान की गई है।

नियुक्तियाँ

- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD/68/2025-REGISOFFI/3273/2026 दिनांक 18 मई, 2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने प्रो. अभिजीत मजूमदार (वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग) को 19 मई, 2026 से दो वर्ष की अवधि के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ़ क्वींसलैंड-आई.आई.टी. दिल्ली एकेडमी ऑफ़ रिसर्च (UQIDAR) के प्रोफेसर प्रभारी के रूप में नियुक्त किया है।
- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD/68/2025-REGISOFFI/3292/2026 दिनांक 19 मई, 2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने प्रो. विकास निमेश (सार्वजनिक नीति स्कूल) को 01 जून, 2026 से दो वर्ष की अवधि के लिए अनु.जाति/अनु.जनजाति के विद्यार्थियों एवं जाति समानता पहल के संकाय सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है।

बी.एल.एस. (बेसिक लाइफ स्पोर्ट) एवं संक्रमण रोकथाम प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

संस्थान के अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग द्वारा फोर्टिस अस्पताल, वसंत कुंज के सहयोग से दिनांक 12 मई, 2026 को बी.एल.एस. (बेसिक लाइफ स्पोर्ट) एवं संक्रमण रोकथाम विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें आई.आई.टी. दिल्ली सोनीपत परिसर, खेल-कूद एकक से व अन्य सहयोगी स्टाफ एवं स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे। यह आयोजन आपातकालीन परिस्थितियों में बेहतर प्रतिक्रिया क्षमता विकसित करने तथा सुरक्षित स्वास्थ्य वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जीवन रक्षक कौशल जैसे वयस्क सी.पी.आर. तकनीक, ए.ई.डी. का उपयोग, वायुरोध व्यवस्था, कार्डियक अरेस्ट की पहचान एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया के साथ-साथ व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। इसके अतिरिक्त, संक्रमण रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों जैसे हैंड हाइजीन, पी.पी.ई. का सही उपयोग, मानक सावधानियाँ तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संक्रमणों की रोकथाम पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।



सेवानिवृत्ति

संस्थान के निम्नलिखित संकाय/स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 31 मई, 2026 को संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं:

प्रो. जयंत कुमार दत्त, प्रोफेसर, यांत्रिक इंजीनियरी विभाग



प्रो. जयंत कुमार दत्त ने आई.आई.टी. खड़गपुर से वर्ष 1986 में एम. टेक. उपाधि पूर्ण की। इसके बाद, उन्होंने आई.आई.टी. दिल्ली के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में प्रो. नाकरा के कुशल निर्देशन में वर्ष 1993 तक अपना डॉक्टरल कोर्स पूरा किया।

प्रो. जयंत कुमार दत्त ने अध्यापन से जुड़ने से पूर्व भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (BEML) में अनुसंधान एवं विकास इंजीनियर के रूप में काम किया है। प्रो. दत्त ने अपने अकादमिक करियर की शुरुआत वर्ष 1993 में आई.आई.टी.

खड़गपुर में अतिथि प्रोफेसर के रूप में की, जहाँ वे 1995 में सहायक प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए। उन्होंने 15 दिसंबर, 2006 को आई.आई.टी. दिल्ली में सह प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया तथा 13 अप्रैल, 2011 को वे प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए।

प्रो. जयंत कुमार दत्त को वर्ष 1999 में जे.एस.पी. एस. पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप से सम्मानित किया गया। उन्होंने कंपन, रोटरी डायनामिक्स, संरचनाओं एवं रोटरी के पैसिव और एक्टिव कंपन नियंत्रण तथा विस्कोइलास्टिसिटी के कुछ पहलुओं के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य किया है।

प्रो. अनिल जैकब इलियास, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग



प्रो. अनिल जैकब इलियास ने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1993 में आई.आई.टी. कानपुर में सहायक प्रोफेसर के रूप में की। वे वर्ष 2002 में

आई.आई.टी. दिल्ली से जुड़ गए, जहाँ 26 अक्टूबर, 2006 को वे प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए और तत्पश्चात्, चेयर प्रोफेसर, उच्च प्रशासनिक ग्रेड (एच.ए.जी.) प्रोफेसर और वर्ष 2019 से वर्ष 2021 तक रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी हैं।

अकार्बनिक और ऑर्गेनोमेटैलिक रसायन विज्ञान के एक प्रतिष्ठित शिक्षक एवं शोधकर्ता, प्रो. इलियास ने 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और कई पीएच.डी., एम.टेक. और एम.एससी. विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने रसायन विज्ञान में व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली तीन पाठ्यपुस्तकों 'बेसिक ऑर्गेनोमेटैलिक केमिस्ट्री', 'कलेक्शन ऑफ़ इंटरस्टिंग जनरल केमिस्ट्री एक्सपेरिमेंट्स' और 'द केमिस्ट्री ऑफ़ द पी-ब्लॉक एलिमेंट्स' की रचना भी की है।

प्रो. इलियास को कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाज़ा गया है, जिनमें INSA शिक्षक पुरस्कार, टाटा केमिकल्स-RSC सर्वश्रेष्ठ रसायन

विज्ञान शिक्षक पुरस्कार, और आई.आई.टी. दिल्ली सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार शामिल हैं। उन्होंने डी.एस.टी. और सी.एस.आई.आर. की कई समितियों में भी अपनी सेवाएँ दी हैं और वर्तमान में वे भारतीय विज्ञान अकादमी द्वारा प्रकाशित होने वाली 'रेज़ोनेंस - जर्नल ऑफ़ साइंस एजुकेशन' के सह संपादक हैं।

शिक्षण, अनुसंधान, मार्गदर्शन और अकादमिक नेतृत्व के क्षेत्र में अपने योगदान के माध्यम से, प्रो. इलियास ने भारत में रसायन विज्ञान की शिक्षा और अनुसंधान पर एक अमिट छाप छोड़ी है। प्रो. अनिल जैकब इलियास संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं अपने स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे हैं।

प्रो. टी.आर. श्रीकृष्णन, प्रोफ़ेसर, जैव रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग



प्रो. टी. आर. श्रीकृष्णन ने 30 जनवरी, 1995 को संस्थान में सहायक प्रोफ़ेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। वे वर्ष 2000 में सह प्रोफ़ेसर, वर्ष 2006 में प्रोफ़ेसर तथा वर्ष 2013 में उच्च प्रशासनिक ग्रेड (एच.ए.जी.) प्रोफ़ेसर बने। उन्होंने वर्ष 1985 में आई.आई.टी. दिल्ली के जैव रासायनिक इंजीनियरी अनुसंधान केंद्र से एम.टेक. किया तथा वर्ष 1990 में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने यू.बी. समूह में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में काम किया। इसके बाद वे वर्ष 1992-1993 के दौरान INRS-Eau, क्यूबेक, कनाडा में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो रहे।

प्रो. टी. आर. श्रीकृष्णन ने संस्थान में कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक भूमिकाओं में अपनी सेवाएँ दी हैं।

उन्होंने वर्ष 2022 से 2025 तक उप निदेशक (प्रचालन), 2016 से 2018 तक संकायाध्यक्ष (छात्र मामले), वर्ष 2011 से 2014 तक जैव रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ दीं। वे वर्ष 2014-2015 में जे.ई.ई. (एडवांस्ड) के अध्यक्ष, वर्ष 2013-2014 में जे.ई.ई. (एडवांस्ड) के उपाध्यक्ष भी रहे। इसके अतिरिक्त आप संस्थान के अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे जिसमें वर्ष 2006 से 2009 के दौरान अध्यक्ष, ग्रेड्स एवं रजिस्ट्रेशन व वर्ष 1998 से 2012 तक छात्रावास वार्डन जैसे पद शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने केरल विश्वविद्यालय, TERI स्कूल ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज़ तथा कोच्ची यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नॉलजी में बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़ (इंजीनियरिंग) के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है। वे TERI में सलाहकार, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, कन्नूर के बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स के अध्यक्ष तथा जल एवं अपशिष्ट प्रौद्योगिकी हेतु इंडो-फ्रेंच यूनिट के समन्वयक भी रहे हैं।

प्रो. टी. आर. श्रीकृष्णन के 140 से अधिक शोध-पत्र अंतरराष्ट्रीय समीक्षित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण एजेंसियों द्वारा समर्थित 36 प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया है। उन्होंने 4 पुस्तकों का लेखन भी किया है। उनके मार्गदर्शन में 35 विद्यार्थियों ने पीएच.डी. पूर्ण की है।

वर्तमान में वे "जर्नल ऑफ़ हैज़र्ड्स, टॉक्सिक एंड रेडियोएक्टिव वेस्ट्स" (अमेरिकन सोसायटी ऑफ़ सिविल इंजीनियर्स द्वारा प्रकाशित) के सह संपादक के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं तथा "एनवायरनमेंटल टेक्नॉलजी" पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य भी हैं। उनका h-index 52 है।

प्रो. नलिन पंत, प्रोफ़ेसर, रासायनिक इंजीनियरी विभाग



प्रो. नलिन पंत ने वर्ष 1989 में प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से कार्बनिक रसायन (Organic Chemistry) में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की तथा उसके बाद रॉकफेलर यूनिवर्सिटी में संरचनात्मक जीवविज्ञान (Structural Biology) के क्षेत्र में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्य किया।

प्रो. पंत ने 30 नवंबर, 1992 को संस्थान में सहायक प्रोफ़ेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 31 जुलाई, 2002 को वे सह प्रोफ़ेसर एवं 10 दिसंबर, 2010 को प्रोफ़ेसर के रूप में पदोन्नत हुए। उन्होंने आणविक संरूपण (Molecular Conformation), आणविक अभिज्ञान (Molecular Recognition), संगणकीय एवं प्रायोगिक रसायन विज्ञान (computational and experimental chemistry) तथा रसायन शिक्षा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया।

अपने लंबे शैक्षणिक जीवन में प्रो. नलिन पंत ने आणविक संरचना (Molecular Structure)

एवं अभिज्ञान (Molecular Recognition) से संबंधित सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक अध्ययनों में विद्यार्थियों और शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है। साथ ही, रसायन विज्ञान शिक्षा में अध्यापन एवं पाठ्यक्रम विकास में भी उनका सक्रिय व उल्लेखनीय योगदान रहा है।

प्रो. मंगला जोशी, प्रोफ़ेसर, वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग



प्रो. मंगला जोशी ने संस्थान में 27 मार्च, 2000 को सहायक प्रोफ़ेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 2006 में वे सह प्रोफ़ेसर बनीं और 2011 से प्रोफ़ेसर के रूप में पदोन्नत हुईं।

प्रो. मंगला जोशी पॉलिमर एवं फाइबर विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं। संस्थान की पूर्व विद्यार्थी के रूप में उन्होंने वर्ष 1986 में पॉलिमर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एम.टेक. तथा वर्ष 1992 में पीएच.डी. उपाधि प्राप्त की। उनके शोध क्षेत्रों में वस्त्रों में नैनोप्रौद्योगिकी का अभिनव अनुप्रयोग, पॉलिमर नैनोकॉम्पोज़िट्स, नैनो-बायोमटेरियल्स, नैनो-कोटिंग्स एवं नैनो-फाइबर्स, जैव-सक्रिय एवं क्रियात्मक वस्त्रों का विकास तथा कोटेड एवं लैमिनेटेड वस्त्र शामिल हैं। उन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी- नैनोमिशन), भारत सरकार; ए.डी.आर.डी.ई., आगरा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन; जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक संस्थानों द्वारा वित्तपोषित अनेक शोध परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाई है।

प्रो. जोशी के नाम आठ स्वीकृत पेटेंट हैं तथा कुछ अन्य पेटेंट अनंतिम स्तर पर हैं। वे स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर "स्ट्रक्चर एंड प्रोपर्टीज ऑफ़ फाइबर", "पॉलीमर एंड फाइबर फिजिक्स", "हाई परफॉरमेंस टेक्सटाइल्स एंड कम्पोज़िट्स" जैसे मुख्य पाठ्यक्रमों का अध्यापन भी कर रही हैं। उनके 115 से अधिक शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय समीक्षित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं तथा उन्होंने विभिन्न सम्मेलनों में लगभग 125 शोध-पत्र प्रस्तुत किए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अनेक पुस्तक अध्यायों का लेखन भी किया है।

अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए उन्हें महिला दिवस, 2026 के अवसर पर संस्थान द्वारा "विमेन ऑफ़ इम्पैक्ट

अवॉर्ड” प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने उन्हें वर्ष 2012-13 में ‘पॉलिमर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी’ के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास श्रेणी के अंतर्गत ‘प्रौद्योगिकी नवाचार’ के लिए तृतीय राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रो. जोशी ने 14 पीएच.डी., 45 एम.टेक. तथा 48 बी.टेक. शोध परियोजनाओं में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है। वर्तमान में छह शोधार्थी उनके निर्देशन में पीएच.डी. कर रहे हैं। उन्होंने “साइंस एंड एप्लीकेशन ऑफ़ नैनोटेक्नॉलजी इन टेक्स्टाइल्स” नामक एक नवीन ऐच्छिक पाठ्यक्रम विकसित किया, जिसका अध्यापन वे वर्ष 2011 से कर रही हैं। यह पाठ्यक्रम बी.टेक., एम.टेक. एवं पीएच.डी. विद्यार्थियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है।

श्रीमती मीना खन्ना (26348), उप प्रशासनिक अधिकारी, केंद्रीय पुस्तकालय



श्रीमती मीना खन्ना ने 20 अक्टूबर, 1994 को संस्थान में अवर श्रेणी लिपिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 मई, 1998 को उन्हें आर.सी. पी.एस. के अंतर्गत वरिष्ठ सहायक के रूप में मैप किया गया तथा इसी योजना के अंतर्गत 01 नवंबर, 2006 को उन्हें कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। 30 मई, 2011 को एम.ए.सी.पी. के अंतर्गत उन्हें ग्रेड वेतन 4600/रु. के ग्रेड वेतन में उन्नयन दिया गया तथा इसी योजना के अंतर्गत 30 मई, 2021 को 4800/रु. के ग्रेड वेतन में उन्नयन दिया गया। 22 दिसंबर, 2022 को उन्हें आर.पी.आर.एस. के अंतर्गत सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पुनः पदनामित किया गया तथा 23 फ़रवरी, 2023 को डी.पी.सी. के अंतर्गत उप प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। श्रीमती मीना खन्ना एक मेहनती एवं कर्मठ उप प्रशासनिक अधिकारी रही हैं।

श्री चन्द्र पाल (26327), पुस्तकालय सूचना अधिकारी, केंद्रीय पुस्तकालय



श्री चन्द्र पाल ने 04 अप्रैल, 1994 को संस्थान में प्रोफ़ेशनल सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01

मई, 1998 को उन्हें आर.सी.पी.एस. के अंतर्गत वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक के रूप में मैप किया गया तथा इसी योजना के अंतर्गत 01 मई, 2006 को सहायक पुस्तकालय सूचना अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। 04 अप्रैल, 2014 को एम.ए.सी.पी. के अंतर्गत उन्हें 4800/-रु. ग्रेड वेतन में उन्नयन दिया गया तथा इसी योजना के अंतर्गत 04 अप्रैल, 2024 को लेवल-9 में उन्नयन दिया गया। 22 दिसंबर, 2022 में आर.पी.आर.एस. के अंतर्गत उन्हें पुस्तकालय सूचना अधिकारी के रूप में पुनः पदनामित किया गया। श्री चन्द्रपाल एक कर्मठ एवं मेहनती पुस्तकालय सूचना अधिकारी रहे हैं।

श्री अनिल कुमार (27183), प्रशासनिक सहायक, निर्माण संगठन



श्री अनिल कुमार ने 01 जून, 1988 को संस्थान में माली के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 जून, 1996 को उन्हें 3050-4590/-रु. के वेतनमान में अटेन्डेन्ट के रूप में पदोन्नत किया गया। 01 जून, 2008 को आर.सी.पी.एस. के अंतर्गत उन्हें ग्रेड वेतन 2400/-रु. में पदोन्नत किया गया। 23 फ़रवरी, 2017 को उन्हें ग्रुप ‘डी’ से ग्रुप ‘सी’ में कनिष्ठ सहायक के रूप में प्लेसमेंट किया गया तथा 01 जून, 2018 को एम.ए.सी.पी. के अंतर्गत लेवल -5 में उन्नयन दिया गया। 22 दिसंबर, 2022 को उन्हें आर. पी.आर.एस. के अंतर्गत प्रशासनिक सहायक के रूप में पुनः पदनामित किया गया। शांत स्वभाव के श्री अनिल कुमार एक मेहनती एवं कर्मठ प्रशासनिक सहायक रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त संकाय/स्टाफ सदस्यों को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार की आगामी जीवन-यात्रा के लिए शुभेच्छाएँ व्यक्त करता है।

पुनर्नियुक्ति

- **प्रो. जयंत कुमार दत्त** (यांत्रिक इंजीनियरी विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत अर्थात् 30.06.2026 तक के लिए यांत्रिक

इंजीनियरी विभाग में प्रोफ़ेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

- **प्रो. अनिल जैकब इलियास** (रसायन विज्ञान विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत अर्थात् 30.06.2026 तक के लिए रसायन विज्ञान विभाग में प्रोफ़ेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।
- **प्रो. टी.आर. श्रीकृष्णन** (जैव रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत अर्थात् 30.06.2026 तक के लिए जैव रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग में प्रोफ़ेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।
- **प्रो. नलिन पंत** (रसायन विज्ञान विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत अर्थात् 30.06.2026 तक के लिए रसायन विज्ञान विभाग में प्रोफ़ेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।
- **प्रो. मंगला जोशी** (वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत अर्थात् 30.06.2026 तक के लिए, वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग में प्रोफ़ेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

त्यागपत्र स्वीकृत

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-45/45/2025-ESTT-22/3064/2026 दिनांक 06.05.2026 के अनुसार श्री दीक्षित गुलेरिया, प्रशासनिक सहायक ने अपने पद से त्यागपत्र दिया था जिन्हें 06.05.2026 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।